IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 7, May 2022
Impact Factor: 6.252

मुगलकालीन प्रशासनिक व्यवस्था : एक ऐतिहासिक अध्ययन

Dr.(Smt.) Poonam Mishra[1] and Rajbhan Chrmkar[2]
Professor, Department of Histroy[1]
Research Scholar, Department of Histroy[2]
Government T. R. S. College, Rewa, MP, India

सारांश : 1526 ई. में बाबर ने भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना की। मुगल शासकों ने भारत में एक विशाल साम्राज्य का निर्माण किया जो मौर्य साम्राज्य के पतनोपरांत भारतीय इतिहास का सबसे विशाल साम्राज्य था। साम्राज्य निर्माण के साथ–साथ एक शक्तिशाली केन्द्रीयकृत और उपयोगी शासन प्रणाली का मुगलों ने भारत में निर्माण किया। मुगल साम्राज्य और मुगल प्रशासन का वास्तविक निर्माता अकबर था। तुर्क, अफगान शासनकाल में विकसित शासन प्रणाली में अकबर ने मौलिक परिवर्तन लाए। इस क्रम में अकबर ने मंगोल और तैमूरी परम्पराओं को अपनाया तथा शेरशाह द्वारा विकसित शासन–प्रणाली की मुख्य विशेषताओं को भी ग्रहण किया। प्रस्तुत शोध पत्र में मुगलकालीन प्रशासनिक अधिकारियों के विभाग, पद, वेतन इत्यादि का अध्ययन किया गया है।

कठिन शब्द–तुर्क, खलीफा, अब्बासी, हुमायूनामा, दैवी प्रकाश, साम्राज्य, प्रशासनिक व्यवस्था आदि।

संदर्भ ग्रन्थ सूची :

1. पाठक, रश्मि, अकबर से औरंगजेब तक, अर्जुन पब्लिशिंग नई दिल्ली, 2003, पृ. 152
2. द्विवेदी, आर.यस. मध्यकालीन भारत, विश्व भारतीय पब्लिकेशन नई दिल्ली, पृ. 360
3. श्रीवास्तव हरिशंकर, मुगल शासन प्रणाली, दिल्ली, 1978, पृ. 11
4. हसन–इब्ने (अनु. यादव कृपालचंद्र) मुगल साम्राज्य के केन्द्रीय ढाँचा, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली पृ. 119
5. वर्मा हरीशचंद्र, मध्यकालीन भारत (भाग–2) दिल्ली विश्व. पृ. 295–96
6. लूनिया, बी.एन. मुगल शासन व्यवस्था, कमल प्रकाशन इंदौर, प्रथम संस्करण 1987, पृ. 76–77
7. प्रो. राधेश्याम, मध्यकालीन प्रशासन, समाज एवं संस्कृति, भार्गव बुक हाऊस इलाहाबाद, 2016, पृ. 108
8. शर्मा, एल.पी., मध्यकालीन भारत, (भाग–2), लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा, पृ. 299
9. महाजन, डॉ. वी.डी., मध्यकालीन भारत (भाग–2) एस चन्द नई दिल्ली, पृ. 179
10. मेहता, जे.एल. मध्यकालीन भारत का वृहत इतिहास (खण्ड–2) जवाहर पब्लिशर्स नई दिल्ली, पृ. 359–60
11. पाण्डेय, अवध बिहारी, उत्तर मध्यकालीन भारत, सुरजीत पब्लिकेशन दिल्ली, 2012, पृ. 461